



CH
29/7/19

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 317]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 25, 1986/आषाढ़ 4, 1908

No. 317] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 25, 1986/ASADHA 4, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(जल-भूतल परिवहन विभाग)

तत्त्वज्ञानियम पत्रन न्यास कर्मचारी (कल्याण निधि) नियम

(पत्रन पक्ष)

नई दिल्ली, 25 जून, 1986

अधिसूचना

प्रमुख पत्रन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) के खंड 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्त्वज्ञानियम के खंड 124 के अंतर्गत निम्नलिखित विनियम बनाता है जिनके कारण सरकार इसका अनुमोदन करे।

1. संक्षिप्त नाम—ये नियम सूनुक्कुडि पत्रन न्यास कर्मचारी (कल्याण निधि) नियम, 1986 कहे जाएंगे।

2. परिमाण—इसमें जब तक कि प्रसंग में लाभान्वयन अपेक्षित न हो—

(क) 'बोर्ड' का अर्थ है, तत्त्वज्ञानियम के पत्रन के लिए न्यासी बोर्ड।

(ख) 'अध्यक्ष' का अर्थ है, बोर्ड का अध्यक्ष तथा इसमें वह व्यक्ति शामिल है जिसे मुख्य पत्रन न्यास, अधिनियम, 1963 की धारा 14 के अंतर्गत उसके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

ये अधिनियम सरकार के राजपत्र में इस अधिसूचना के जारी होने की तरीक से लागू होंगे।

[फा. न. वी डब्ल्यू/पा. ई टी-12/80]

शोभन्द्र नारायण, संचालक सचिव,

(ग) 'कर्मचारी' का अर्थ है, बोर्ड का कर्मचारी तथा इसमें विदेश सेवा पर गया कोई व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति जिसकी सेवाओं को अस्थायी रूप से बोर्ड को सौंपा गया हो, शामिल है तथा इसमें केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार का स्थानीय या अन्य प्राधिकरण की सेवा में लगे वे कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी सेवाओं को अस्थायी रूप से पत्तन को सौंपा गया हो ।

(घ) 'परिवार' का अर्थ है, कर्मचारी की पत्नी, अथवा पति, जैसी भी स्थिति हो, तथा वैध सन्तान जिसमें दत्तक, जो ऐसे कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित हों ।

(ङ) 'निधि' का अर्थ है नियम 3 के अंतर्गत निर्मित त्रृत्यकुड़ि पत्तन न्यास कर्मचारी कल्याण निधि ।

(च) 'सामान्य लेखे' का अर्थ है बोर्ड का सामान्य लेखा ।

3. निधि का गठन :—एक निधि की स्थापना की जाएगी जो कि त्रृत्यकुड़ि पत्तन न्यास कर्मचारी कल्याण निधि कही जाएगी तथा उसमें निम्नलिखित जमा किए जाएंगे :—

(क) बोर्ड द्वारा नमय-उमय पर स्वीकृत किए जाने वाले सामान्य लेखे से अंगदान, जो कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस गंभीर में नियत की गई उच्चतम सीमा तक वार्षिक अंदाज की शर्त के अन्तर्गत होगा ।

(ख) निधि से मंजूरित नवनीय पर अपाइल तथा नायर ; लधः

(ग) कोई अन्य राशि इथां सर्वतों जो कि भेट अथवा दान के रूप में निधि को प्राप्त होता है ।

(घ) इन विविधों को लागू होने की तारीख के पहले दिन को विद्यमान कल्याण लेखे में पड़ी दुर्दृश राशि ।

4. निधि का प्रशासन :—निधि का प्रशासन अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा ।

5. निधि से व्यय :—निधि में उपलब्ध धन निम्नलिखित कल्याण उपायों तथा विद्याओं के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है, अर्थात् :—

(क) ऐसे स्थानों, कलबों, सहकारी समितियों अथवा खेल परिषदों को दान, जो कि कर्मचारियों तथा उन के परिवारों के कल्याण से संबंधित हों ।

(ख) (1) कर्मचारियों के बच्चों को अन्तर्राजियां तथा पुस्तकों प्रदान करना ।

(ख) (2) साक्षरता कक्षाएं विकालामां की शिक्षा तथा पढ़ाई के कामरों के अनुरक्षण सञ्चित वैज्ञानिक सुविधाएं ।

(ग) जीवन रक्षा तथा अन्य सार्वजनिक जारी की लिए कर्मचारियों को विशेष पुरस्कार ।

(घ) अत्यंत मुश्किल में गंडे कर्मचारियों को वित्तीय मद्दत देना

(ङ) इन्हें अत्यंत हुई दुर्घटना के दारण अंगद-अथवा अध्यक्ष द्वारा अक्षम हुए कर्मचारियों को दुर्घट अंग अथवा अन्य अहायता, उपलब्ध कराना ।

(च) कर्मचारियों के प्रयोग के लिए बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी द्वारा सिफारिश की गई विशेष इवाइयों की लागत के लिए अद्यायगी ।

(छ) कर्मचारियों के लिए खेल, उत्सवों, स्पर्धाओं, इमार, सर्गील फ़िल्म शो भजनों तथा इसी प्रकार के कार्यों का आयोजन करने तथा कर्मचारियों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस मनाने के लिए अनुदान ।

(ज) काम के घटों के दौरान अर्थात् कार्य पर हाजिर होने के बाद मध्यावकाश सहित तथा पत्तन क्षेत्र के अन्तर्द्वारा ऐसे कर्मचारी जिनकी मृत्यु हो गई है, अथवा जिन्हें गंभीर चोट लगी है, के परिवारों के तत्काल वित्तीय राहत प्रदान करना।

(झ) कर्मचारियों द्वारा उनके परिवारों के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई कोई अन्य सुविधाएं तथा कल्याण उपयोग ।

6. निधि से संवितरण :—अध्यक्ष की विशेष स्वीकृति के अंतर्गत कर्मचारियों अथवा उनके परिवारों के लिए कल्याण उपायों तथा सुविधाओं के लिए निधि से संवितरण किया जाएगा ।

7. निधि में अधिकतम राशि :—अधिकतम राशि जो कि निधि में रखी जा सकती है, 1,00,000 रुपये (एक लाख रुपये मात्र) तक सीमित रहेगी ।

8. निधि में अधिशेष का निपटान :—विनियम (7) में निर्दिष्ट सीमा से अधिक निधि में कोई अधिशेष सामान्य खाते में जमा करदिया जाएगा ।

9. लेखों का अनुरक्षण :—निधि से प्रशासन के मबद्द में उचित लेखे तथा अन्य समग्र अधिशेष रखा जाएगा ।

10. निर्वन्यन :—यदि इन नियमों के निर्वन्यन के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसका विवरण अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा ।

MINISTRY OF TRANSPORT

(Dept. of Surface Transport)

(Port Wing)

New Delhi, the 25th June, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 906 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Tuticorin Port Trust Employees (Welfare Fund) Regulations, 1986, as set out in the Schedule attached.

2. The said regulations shall come into force from the date of issue of this Notification in the Official Gazette.

[F. No. PW/PET-17/80]
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE

TUTICORIN PORT TRUST EMPLOYEES (WELFARE FUND) REGULATIONS

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963), the Tuticorin Port Trust Board hereby makes, subject to the approval of the Central Government, under Section 121 of the above Act, the following Regulations :—

1. Short title : These regulations may be called the Tuticorin Port Trust Employees (Welfare Fund) Regulations, 1986.

2. Definition : In these regulations unless the context otherwise requires :

(a) 'Board' means the Board of Trustees for the Port of Tuticorin.

- (b) 'Chairman' means the 'Chairman of the Board' and includes the person appointed to act in his place under Section 14 of the Major Port Trusts Act, 1963.
- (c) 'Employee' means an employee of the Board and includes any such person on foreign service or whose services are temporarily placed at the disposal of the Board and also any person in service of the Central or a State Government or a Local or other authority whose services are temporarily placed at the disposal of the Board.
- (d) 'Family' means the wife or husband as the case may be of the employee and legitimate children including adopted children, wholly dependent on such employee.
- (e) 'Fund' means the Tuticorn Port Trust Employees Welfare Fund constituted under regulation 3.
- (f) 'General account' means the general account of the Board.

3. Constitution of the fund : There shall be established a Fund to be called, The Tuticorn Port Trust Employees' Welfare Fund, and there shall be credited thereto :

- (a) contribution from the General account of the Board as may be sanctioned by the Board from time to time subject to such ceiling and annual contribution as may be fixed by the Central Government in this regard.
- (b) interest and profit on investments belonging to the Fund ; and
- (c) any other sum or property made over to the fund by way of gift or donation.
- (d) the sum standing at the credit of the existing Welfare account on the day preceding the date on which these regulations come into effect.

4. Administration of the Fund : The fund shall be administered by the Chairman.

5. Expenditure from the Fund : The money available in the Fund may be utilised for the following welfare measures and facilities namely :—

- (a) donations to such Institutions, Clubs, Co-operative Societies or sports councils as are connected with the Welfare of employees and their families ;

- (b) (i) Grant of scholarships and books to children of employees ;
- (ii) educational facilities including literacy classes teaching of handicrafts and maintenance of reading rooms ;
- (c) special rewards to employees for life saving and other meritorious acts ;
- (d) financial assistance to employees in acute distresses.
- (e) providing artificial limbs or other aids to employees who are partially or permanently disabled due to accident on duty ;
- (f) payment towards cost of special drugs recommended by the Medical Officer of the Board for the use of the employees.
- (g) grants for conducting sports events, competitions, dramas, music, film shows, bhajans and the like for employees and celebrations of Independence days and Republic days by the employees ;
- (h) rendering immediate financial relief to the families of the employees who die or sustain serious injuries during working hours that is the time after he has reported for work including recess and within the Port area.
- (i) any other welfare measure and facilities for the employees and their families as may be determined by the Board.

6. Disbursement from the Fund : Disbursement shall be made out of the Fund for the welfare measures and facilities for the employees or their families under the specific sanction of the Chairman.

7. Maximum amount in Fund : The maximum amount that may be held in the Fund shall be limited to Rs. 1,00,000/- (Rupees One lakh only).

8. Disposal of surplus in the Fund : Any surplus in the Fund over and above the maximum limit specified in Regulation (7) shall be credited to the general account.

9. Maintenance of accounts : Proper accounts and other relevant records shall be maintained regarding administration of the Fund.

10. Interpretation : If any question arises relating to the interpretation of any of these regulations, the same shall be decided by the Chairman.

